शराब बन्दी को लेकर प्रदेशव्यापी उपवास की जरूरत : रवीन्द्र जायसवाल

–नशा उन्मूलन को लेकर क्वींस कालेज में संगोष्ठी

– सामाजिक अपराध को बढ़ावा दे रहा नशा – ब्र.कु. बहनें

–नशीले पदार्थो की जलायी गयी होलिका

वाराणसी । शहर उत्तरी के विधायक रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए दृढ संकल्प की आवश्यकता है । नशा उन्मूलन केवल भाषणों, रैलियों से दूर नहीं किया जा सकता है। उसे अपने मन व विचारों में उतारने की आवश्यकता है। युवा जब हताश होता है तो नशे का आदि होने लगता है और फिर उसका गुलाम हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर एक दिन शराब बन्दी को लेकर उपवास रखने की जरूरत है। जिसमें आमजन व समाजसेवी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

विश्व तम्बाकू निशेध दिवस के अवसर पर क्वींस कालेज में आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारो ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वावधान मे आयोजित संगोष्ठो में **मुख्य अतिथि के पद से सम्बोधित करत हुए श्री जायसवाल** ने संस्था के नशा उन्मूलन के दृष्टिगत किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुए हुए कहा संस्था की कडी मेहनत का फल है कि काफी संख्या में लोग आज नशा से पूरी तरह से तौबा कर चुके है। उक्त अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के पद से सम्बोधित करते हुए **एस पी प्रोटोकाल विकास वैद्य** ने कहा कि आज हम जानते है

कि नशा एक बुराई है लेकिन आज हम उसे छोड नहीं पाते हैं। आखिर हम क्यों नहीं हम अपनी आत्मा की बात को नहीं समझते है। हम क्यों इतने कमजोर हो गये हैं। अगर अच्छा इंसान होता है तो उसके अन्दर से जो तरंगे निकलती हैं वह आसपास के वातावरण को ऊर्जा से भर देती है। **क्षेत्रिय मद्यनिषेध अधिकारी रामसेवक यादव** ने कहा कि आज देश में 35 करोड लोग तम्बाकू पदार्थो का सेवन कर रहे हैं। जिसमें 30 प्रतिशत महिलाए व लडकिया हैं। उन्होंने आयोडेक्स व खॉसी की दवा कोरेक्स को नशे के रूप में युवाओं के प्रयोग करने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि विगत वर्ष इलाहाबाद के एक लडकियों के हास्टल में छापें के दौरान आयोडेक्स व कोरेक्स भारी मात्रा में पाया गया। **वाराणसी के सी एम ओ डॉ वी पी सिंह** ने कहा कि जब तक हम स्वंय अपने आपको नियंत्रण नहीं करते तब तक हम व्यसन से दूर नहीं हो सकते हैं। इसे छोडने के लिए दृढ प्रतिज्ञा करनी होगी। नशा शरीर के हर अंग को प्रभावित करता है और धीरे–धीरे शरीर क सिस्टम को अस्त–व्यस्त कर देता है जिसके चलते व्यक्ति दिनों दिन शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर होता चला जाता है। **राजकीय क्वींस कालेज के प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह** ने कहा कि आज युवाओं को नशा से दूर करने के लिए हम सबको मिलकर आगे आने की जरूरत है। तभी हम नशा मुक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे। उक्त अवसर पर संस्था की **ब्र.कु. वन्दना दीदी** ने आज भाईयों के साथ बहने भी इस व्यसन में तेजी से अग्रसर हो रही हैं यह चिन्ता की बात है । हमें इसके लिए आगे आने की

जरूरत है। हमे अपने श्रेष्ठ कर्मों से समाज को राह दिखाना होगा। **ब्र.कु. सरोज दीदी** ने कहा कि तम्बाकू दिवस मनाने से कुछ नहीं होगा, जबतक कि हमारें अन्दर इसे दूर करने की इच्छा शक्ति नहीं होगी। नशा सामाजिक अपराध का कारक बना हुआ है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए **ब्र.कु. अंजलि दीदी एवं ब्र.कु. दुर्गा दीदी, ब्र.कु. चन्दा दीदी** ने कहा कि नशा नाश एवं घर–परिवार में कलह–क्लेश का कारण बना हुआ है। जिससे बच्चे भी बूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। अतः इससे दूर रहकर हमें अपने परिवार एवं समाज को खुशहाल बनाना होगा।

संगोष्ठी का कुशल सचांलन ब्र.कु. डा. तापोसी बहन ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन संस्था के मीडिया प्रभारी **ब्र.कु. विपिन भाई** ने किया। **ब्र.कु.पूनम** ने नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा करवाई।

इससे पूर्व मलदहिया चौराहा से नशा उन्मूलन को लेकर संस्था की तरफ से रैली निकाली गयी। जिसमें आगे–आगे एक ब्रह्माकुमारी जहां भारत माता के रूप में चल रही थी वहीं सैकडो की संख्या में ब्रह्माकमारी भाई–बहनें हाथों में नशा उन्मूलन प्रेरक तख्तियों को लेकर चल रहे थे।

आकर्षण का केन्द्र

रैली में नशा के प्रतीक के रूप में दो लोग चल एवं **दुःखी एवं संतप्त भारत माँ** का चैतन्य स्वरूप आकर्षण का कन्द्र बना हुआ था जिसके द्वारा यह सन्देश दिया गया कि नशे की गुलामी ने पूरे देश को त्रस्त बना दिया है। अतः हमें नशे की

लत को छोड भारत मॉ को खुशहाल बनाना होगा । रैली मलदहिया चौराहा से लहुराबीर होते हुए क्वींस कालेज पहुच कर समाप्त हुई। उसके बाद अन्त में नशीले पदार्थो के प्रतीकों की होलिका जलायी गयी।

उक्त अवसर पर संस्था वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. मोहन भाई, समाजसेवी ओ.एन. उपाध्याय, प्रो. शिवराम गंगोपाध्याय, अमित, ओमप्रकाश, गंगाधर, अजीत सहित सैकडों की संख्या में ब्रह्माकुमार–कुमारी भाई–बहनें उपस्थित रहे।